

## पद ६

(रागः देस – तालः दादरा)

भज माणिकं भज माणिकं भज माणिकं भज माणिकम् ॥ध्र ॥  
सुरनायकं भवहारकम् । फलदायकं सुखकारकम् ॥१॥ अघहारकं  
जनतारकं । प्रभुनायकं नयधारकम् ॥२॥ नतपालकं गुणदायकं  
नरसिंहसूनुतोषकं ॥३॥